नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

मप्र अब बीमारू राज्य नहीं

वर्ल्ड लीडर्स फोरम में सीएम यादव ने बताया राज्य के विकास का रोडमैप

- चुनौतियां तो थीं, लेकिन पहचान कर उसे अवसरों में बदला
- कृषि में तो हम पहले ही आगे थे, अब तेजी से बढ़ रहे आगे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 22 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ मप्र भी बदल रहा है. हमारा मप्र आज देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला प्रदेश बन गया है. कभी मप्र पर बीमारू प्रदेश होने का टैग लगा दिया गया था. हमने इस टैग को पूरी तरह हटा दिया है. उन्होंने कहा कि चुनौतियां तो थीं, पर हमने उन चुनौतियों को पहचान कर तरक्की के अवसरों में बदल दिया. आज मप्र में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली के एक निजी होटल में आयोजित दि इकॉनामिक टाईम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम - 2026 में मप्र सत्र को संबोधित कर रहे थे. सत्र का विषय फायरसाईड चैट ऑन एमपी : अनलॉकिंग द हार्ट ऑफ इंडिया था. इस दौरान सीएम ने कहा कि कृषि के मामले में तो हम पहले से आगे थे ही, अब औद्योगिक प्रगति में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि पिछले साल हमने भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराई. इसके अलावा प्रदेश के हर अंचल में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सफलतापूर्वक सम्पन्न कराकर निवेशकों का दिल जीता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश का अमृतकाल चल रहा है. हम सब राज्य मिलकर देश की प्रगति के लिए आगे आ रहे हैं. राष्ट्रीय नदी जोड़ो अभियान हो या सिंचाई की परियोजनाएं, हम अपने पड़ोसी राज्यों से मिलकर हर चुनौती, हर समस्या का सकारात्मक समाधान निकाल रहे हैं.

मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए तैयार है अनुकूल वातावरण

उन्होंने कहा कि मप्र की पहचान अब केवल प्राकृतिक संसाधनों और कृषि प्रधान राज्य के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक उद्योग, ग्रीन एनर्जी, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और वैश्विक निवेश के नए केंद्र के रूप में भी बन रही है. हम मप्र को ऐसा राज्य बनाना चाहते हैं, जहां निवेश आए, उद्योग स्थापित हों, युवाओं को रोजगार मिले और प्रदेश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे. उन्होंने कहा कि मप्र में बड़े पैमाने के उद्योगों के साथ-साथ स्टार्टअप, एमएसएमई और नए उद्यमों के लिए भी व्यापक अवसर उपलब्ध हैं. सरकार निवेशकों के साथ निरंतर संवाद और साझेदारी के माध्यम से परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है.

नि:संकोच निवेश कीजिए बिजनेस चार गुना बढ़ाइए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से कहा कि मप्र असीम संभावनाओं और अनंत अवसरों का प्रदेश है. मप्र की संस्कृति ही ऐसी है कि एक बार जो यहां आता है, वापस नहीं जाता है. यहां आकर आप कभी निराश नहीं होंगे, इसलिए मध्यप्रदेश आईए, सरकार की उद्योग-मित्र नीतियों का अधिकाधिक लाभ उठाइए, बिना किसी संकोच के निवेश कीजिए और अपना व्यापार-व्यवसाय-बिजनेस चार गुना बढ़ाईए और मप्र सहित देश की प्रगति में योगदान दें.

विकास में साझेदार मप्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं, संस्थागत सुधार और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है. निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सरकार निरंतर प्रक्रियाओं को सरल बना रही है. हम चाहते हैं कि निवेशक मप्र को केवल एक निवेश स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अपने विकास के दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखें.

स्वास्थ्य मंत्री का एक्शन, दो अधिकारी हटाये

उपमुख्यमंत्री पहुंचे मछुरदा, बैगा सरपंच से की वार्ता

बालाघाट, 22 अगस्त . जिले के बिरसा विकासखंड में महामारी से मरने वाले बच्चों का आंकड़ा 24 पहुंच गया है. इनकी मौत की वजह टीकाकरण में कमी, मलेरिया सहित कुपोषण माना जा रहा है. उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने प्रभावित क्षेत्र मछुरदा का दौरा किया.

लापरवाही बरतने वाले दो अधिकारी डॉ. परेश उपलप तथा मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया है.

तय होगी जिम्मेदारी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बैगा बच्चों की मृत्यु मामले की जांच जाएगी, और किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा.

अस्पताल है पर डॉक्टर नहीं

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ला ने ग्राम पंचायत मछुरदा की बैगा जनजाति की सरपंच जिलसो रामसिंह तिलगाम से बातचीत की. सरपंच ने क्षेत्र की अन्य समस्याओं के साथ उन्हें बताया कि उपस्वाथ्य केंद्र तो है किंतु डॉक्टर नहीं है. इस पर उन्होंने केंद्र में एक एएनएम की व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारी को दिए. उन्होंने बैगा परिवारों से बच्चों के टीकाकरण में सहयोग की अपील की. मंत्री श्री शुक्ल ने पोषण और स्वच्छता सहित शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह भी किया.

वॉर्मर में आग, 3 नवजात झुलसे, 1 की मौत

- छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के एनआईसीयू में देर रात हादसा
- घटना के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रैफर

छिंदवाड़ा, 22 अगस्त. जिला अस्पताल के एनआईसीयू वार्ड में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दर्दनाक हादसा हो गया. नवजातों को गर्म रखने के लिए लगाए गए वॉर्मर की हीटिंग यूनिट में स्पार्किंग के बाद अचानक आग लग गई.

हादसे में वॉर्मर में रखे तीन नवजात गंभीर रूप से झुलस गए.

प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान एक नवजात की मौत हो गई.

जानकारी के अनुसार मोहगांव खापा बिहारी चांद निवासी शिवानी आदित्य वर्मा ने रात करीब 10 बजे बच्ची को जन्म दिया था. जन्म के बाद बच्ची को वॉर्मर में रखा गया. करीब चार घंटे बाद रात 2 बजे हीटिंग यूनिट के फिलामेंट में स्पार्किंग हुई और आग भड़क गई. इसकी चपेट में आने से तीन नवजात झुलस गए.

आग लगते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई. चिकित्सकों और स्टाफ ने तत्काल बच्चों को वॉर्मर से बाहर निकालकर उपचार शुरू किया. हालत गंभीर होने पर तीनों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया. एक नवजात की उपचार के दौरान मौत हो गई. सिविल सर्जन कंचन दुबे के अनुसार वॉर्मर की हीटिंग यूनिट में अचानक स्पार्किंग के बाद आग लगी.

67.38 किलो डोडाचूरा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर. वायडी नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए महू-नीमच फोरलेन से पांच अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से पांच पिट्ठू बैगों में रखा 67.38 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है. पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन और एक कीपेड मोबाइल भी जब्त किया है. पेट्रोलिंग के दौरान महू-नीमच हाईवे पर संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर पुलिस ने घेराबंदी की.

एक नजर में

30 लाख के डोडाचूरा के साथ दो गिरफ्तार

रतलाम. बिलपांक थाना पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए नागालैंड पासिंग कंटेनर से 106.47 किलो डोडाचूरा बरामद किया है. जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई गई है. तस्कर डोडाचूरा को छह कट्टों में भरकर कंबलों के नीचे छिपाकर नीमच से महाराष्ट्र के मालेगांव ले जा रहे थे. पुलिस ने कंटेनर जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

मासूम की सेप्टिक टैंक के गड्ढे में गिरने से मौत

तेंदूखेड़ा/दमोह. तेंदूखेड़ा थाना से करीब दूर डहरा ग्राम में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक हादसे में 2 वर्षीय मासूम की मौत हो गई.महेंद्र पिता मोहन गौंड घर के पास खेल रहा था. इसी दौरान खेलते-खेलते वह बाड़ी के पास खुदे शौचालय के सेप्टिक टैंक के गड्ढे में गिर गया.परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि तेज बारिश के कारण टैंक का गड्ढा पानी से भरा हुआ था.

कार की डिक्की में छुपाकर लाये थे 53 किलो गांजा

उज्जैन. ओडिशा से गांजा लेकर आये 3 युवक कार से तराना की ओर जा रहे थे. कनीपुरा मार्ग पर पुलिस ने बिना नम्बर की कार को रोका गया. जिसमें 25 पैकेट में भरा 53 किलो गांजा बरामद किया गया. थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग कार में बड़ी मात्रा में गांजा लेकर कानीपुरा-तराना रोड से गुजरने वाले हैं.

मिड-डे मील के बाद 38 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

19 बच्चे अस्पताल में भर्ती, चार को आईसीयू में रखा

- जांच में फूड पॉइजनिंग के लक्षण नहीं
- भोजन और सामग्री के सैंपल जांच के लिए भेजे

नवभारत न्यूज

इंदौर, 22 अगस्त. सांवेर के ग्राम सिंहाना स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को कढ़ी चावल खाने के बाद 38 बच्चों ने पेट दर्द, चक्कर और सिरदर्द की शिकायत की. इनमें से 19 बच्चों को इंदौर के अरविंद अस्पताल लाया गया और चार को एहतियात के तौर पर आईसीयू में रखा है.

हालांकि डॉक्टरों की जांच में किसी बच्चे की हालत गंभीर नहीं मिली और फूड पॉइजनिंग के स्पष्ट लक्षण भी सामने नहीं आए.

स्कूल में दोपहर करीब 1.30 बजे बच्चों को मिड-डे मील में कढ़ी-चावल परोसे गए थे. भोजन के कुछ देर बाद बच्चों ने तबीयत खराब होने की बात कही. स्कूल प्रबंधन ने परिजन को सूचना दी और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया. देखते ही देखते अस्पताल में बच्चों और उनके परिजनों की भीड़ जुट गई. अरविंदो अस्पताल में बच्चों को करीब सात घंटे निगरानी में रखा. डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत सामान्य रही और देर शाम तक डिस्चार्ज करने की तैयारी थी. इलाज के दौरान यह भी सामने आया कि एक बच्ची को पहले से तीन दिन से बुखार था.

एक बालिका पहले से थी अस्वस्थ

सीएमएचओ डॉ. माधव प्रसाद हसानी के नेतृत्व में चिकित्सकीय दल ने बच्चों की जांच की. एक बालिका पहले से अस्वस्थ थी और उसका उपचार चल रहा था. अरविंदो अस्पताल ले जाए गए बच्चों की भी जांच के बाद उन्हें सामान्य स्थिति में डिस्चार्ज किया गया. प्रशासन ने फिलहाल किसी बच्चे के गंभीर रूप से बीमार होने से इनकार किया है और बच्चों के स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जा रही है.

इंदौर में स्वाइन फ्लू का दूसरा मरीज

निजी अस्पताल में मरीज भर्ती, संपर्क में आए लोगों की तलाश

नवभारत न्यूज

इंदौर, 22 अगस्त. शहर में एच 1 एन 1(स्वाइन फ्लू) का दूसरा मरीज सामने आया है. संक्रमित मरीज को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. नया केस सामने आने के बाद अब मरीज की बीमारी से जुड़ी जानकारी, उसके संपर्क में आए लोगों और वह संक्रमण की चपेट में कैसे आया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है.

इससे पहले उज्जैन में रहने वाली बुजुर्ग महिला की एच 1एन1 रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. महिला का इंदौर के एक निजी अस्पताल में करीब 16 दिन उपचार चला था. 18 अगस्त को परिजन उन्हें चिकित्सकीय सलाह के विरुद्ध छुट्टी पर उज्जैन ले गए थे, अगले दिन घर पर उनकी मौत हो गई. महिला के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल से इलाज का रिकॉर्ड और मरीज से संबंधित जानकारी मांगी है. जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम भी बनाई है.

परिजनों ने बताया कि महिला ज्यादा बाहर नहीं जाती थीं और कभी-कभार पार्क जाती थीं. विभाग उनके संक्रमण की वजह और संभावित संपर्कों की जानकारी भी जुटा रहा है. अब दूसरा मरीज सामने आने के बाद उसके संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है. यह भी देखा जाएगा कि उसकी किसी संक्रमित व्यक्ति से मुलाकात या संपर्क रहा था या नहीं. दोनों मामलों के बीच कोई संभावित संपर्क रहा है या नहीं, इसकी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी.

हाईवे पर खड़े ट्रक से कार की भिड़ंत , 3 की मौत

- मुलताई के पास दर्दनाक हादसा, पांच घायल
- नागपुर से सीहोर के कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे

मुलताई, 22 अगस्त. नागपुर-बैतूल फोरलेन पर शनिवार तड़के करीब 3 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. बिरूल बाजार चौराहे के पास जीतू ढाबे के सामने नागपुर से सीहोर की ओर जा रही एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए.

हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं.

बताया गया कि बूटीबोरी, नागपुर से दो कारों में सवार लोग सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम जाने के लिए रवाना हुए थे. शनिवार सुबह करीब 3 बजे मुलताई के पास जीतू ढाबे के सामने पहुंचने पर एक कार सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई. टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई.

3 घंटे थमा रहा बैढ़न-चितरंगी मार्ग

सिंगरौली में भारी बारिश

सिंगरौली, 22 अगस्त. शनिवार को बैढ़न, मोरवा और चितरंगी अंचल में हुई झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा. रेलवे स्टेशन सिंगरौली के सामने गोनर्रा-चितरंगी मार्ग पर शिव मंदिर के समीप स्थित पुलिया उफान पर आने से करीब तीन घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा. सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. सुरक्षा को देखते हुए मोरवा पुलिस मौके पर तैनात रही.

शनिवार को बैढ़न समेत मोरवा और चितरंगी के सोन तटवर्ती इलाकों में रुक-रुककर बारिश होती रही. तेज बारिश के चलते नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया.

रेलवे स्टेशन के सामने चितरंगी मार्ग की पुलिया पर पानी आने से वाहनों को रोकना पड़ा. करीब तीन घंटे बाद पानी का स्तर कम होने पर पुलिस की निगरानी में आवागमन दोबारा शुरू कराया गया. उधर, बैढ़न क्षेत्र में दोपहर बाद कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही. सावन में हुई अच्छी बारिश से किसान खुश नजर आए. धान सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए बारिश को लाभदायक माना जा रहा है. हालांकि लगातार बारिश से जिले के कई नाले उफान पर हैं. गोपद, सोन और महानदी का जलस्तर भी बढ़ा है, लेकिन फिलहाल पानी खतरे के निशान से नीचे बताया जा रहा है.

एसपी ने सीएसपी के गुनाहों की डायरी एसआईटी को सौंपी

- सोमवार को होगी अग्रिम जमानत पर सुनवाई
- विवादों से सुर्खियों में रहीं नेहा पच्चीसिया

भोपाल, 22 अगस्त. कटनी की निलंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं. इस बार मामला गंभीर धाराओं में दर्ज एफआईआर के बाद उनकी गिरफ्तारी तक पहुंच गया है. कटनी पुलिस ने शनिवार को उनके केस से जुड़े साक्ष्यों के साथ डायरी जबलपुर की एएसपी अंजना तिवारी को सौंप दी.

एएसपी अंजना जांच के लिए गठित एसआईटी की प्रभारी हैं. अब पूरे मामले की जांच वही करेंगी. इधर, नेहा ने कटनी कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन लगाया, लेकिन शनिवार को उन्हें राहत नहीं मिली. सोमवार को मामले में सुनवाई होने की संभावना है. मौजूदा केस के बीच नेहा का पुराना रिकॉर्ड भी चर्चा में आ गया है. पुलिस सेवा में रहते हुए वह पहले भी तबादले, सोशल मीडिया पोस्ट और वरिष्ठ अधिकारियों से कथित टकराव को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं. फरवरी 2021 में गुना से तबादला होने के बाद नेहा पच्चीसिया से जुड़ा एक फेसबुक पोस्ट सामने आया था. इसमें तत्कालीन ग्वालियर रेंज आईजी अविनाश शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए गए. पोस्ट में लिखा था- आईजी अविनाश शर्मा इज अवर कल्प्रिट. पोस्ट सामने आते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था. हालांकि बाद में पोस्ट हटा दी गई. नेहा ने उस समय पोस्ट से खुद को अलग करते हुए कहा था कि उनके नाम का इस्तेमाल कर उन्हें बदनाम करने के लिए पोस्ट डाली गई. नेहा के विवादित पोस्ट से घबराए तत्तकालीन गुना एसपी ने पूरी ऑफिस को सीसीटीवी से लेस कर लिया था. जिससे कि कोई आक्षेप लगने पर वह बेगुनाही का सबूत दिखा सकें.

खोज में जुटी पुलिस

निलंबित सीएसपी नेहा की तलाश की जा रही है. जरूरत पड़ने पर उन पर इनाम घोषित करने की कार्रवाई भी की जा सकती है. उनसे जुड़ी डायरी एएसपी अंजना तिवारी को शनिवार को सौंप दी गई है.

अभिनव विश्वकर्मा,
एसपी, कटनी

अच्छी खबर | दो दशक से बंद मिल के पुनरुद्धार की उम्मीद जगी, किसानों-मजदूरों और युवाओं में खुशी

कैलारस शुगर मिल फिर होगी गुलजार, टेंडर प्रक्रिया शुरू

हरीश दुबे/प्रकाश डंडोतिया

मुरैना, 22 अगस्त. करीब दो दशक से बंद पड़ी कैलारस शुगर मिल को फिर से शुरू करने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिया है. मिल के पुनरुद्धार के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू होने की खबर से क्षेत्र के किसान, मजदूर और लंबे समय से रोजगार की तलाश कर रहे स्थानीय युवाओं में खुशी की लहर है. राजनीतिक दलों की ओर से भी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया गया है.

क्षेत्रवासियों का मानना है कि मिल के दोबारा शुरू होने से चंबल अंचल में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी और किसानों को गन्ने की उपज का बेहतर बाजार स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा.

जौरा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने मिल को चालू कराने की मांग को लेकर 15 अगस्त से आमरण अनशन शुरू किया था. सरकार द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू किए जाने के बाद उन्होंने इसे किसानों और आंदोलन की बड़ी जीत बताया. इसके बाद विधायक ने अपना सात दिन से जारी आमरण अनशन समाप्त कर दिया और मुरैना बंद का आह्वान भी वापस ले लिया.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अनशन स्थल पर पहुंचकर विधायक पंकज उपाध्याय को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव से मोबाइल पर बातचीत कराई थी. दोनों नेताओं ने आंदोलन को समर्थन दिया था. राहुल गांधी ने कैलारस पहुंचकर किसानों के साथ प्रदर्शन करने की बात भी कही थी.

2028 से पहले चालू हो जाएगी शुगर मिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कैलारस शुगर मिल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और यह मिल वर्ष 2028 से पहले चालू हो जाएगी. कारखाना फिर से शुरू होने से क्षेत्र के 20 हजार से अधिक गन्ना उत्पादक किसानों की आय बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. सरकार इसके संचालन के लिए देश के बड़े शक्कर मिल संचालकों से ईओआई के माध्यम से जल्द ही प्रस्ताव मांगेगी. कारखाने की पूरी जमीन एमएसएमई को सौंप दी गई है. मिल के लिए आवश्यक भूमि के बाद बची हुई जमीन पर औद्योगिक क्लस्टर बनाए जाएंगे.

एंदल सिंह कंसाना, कृषि मंत्री, मप्र शासन

किसानों को फायदा होगा

यह किसानों के संघर्ष की बड़ी जीत है. पंकज उपाध्याय का आमरण अनशन, किसानों की एकजुटता और कांग्रेस के संघर्ष ने सरकार को किसानों की आवाज सुनने के लिए मजबूर किया है. कांग्रेस पार्टी तब तक संघर्ष जारी रखेगी, जब तक कैलारस शक्कर कारखाना पूरी तरह पुनः चालू नहीं हो जाता और किसानों के हित सुरक्षित नहीं होते.

जीतू पटवारी,
अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस कमेटी

पति से विवाद का मामला भी पहुंचा थाने

नेहा पच्चीसिया का नाम बाद में निजी विवाद को लेकर भी सुर्खियों में आया. चार साल पहले भोपाल में पुलिस मुख्यालय की महिला सेल में पदस्थ रहने के दौरान इंजीनियर पति से विवाद के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की थी. आरोप था कि घर आए पति को अंदर आने से रोकने पर विवाद हुआ और इसी दौरान उनके साथ मारपीट की गई.